दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–4)

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF/22 (O-A)–M–**GSM (P-III)-2304**	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: Pradumankumar **Mobile Number:** ______

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** Ethics GS-IV

Center & Date: Mukharjinagar 11/07/2023 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 0811492

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		5 (b)	
1 (b)		6 (a)	
2 (a)		6 (b)	
2 (b)		7.	
3 (a)		8.	
3 (b)		9.	
3 (c)		10.	
4 (a)		11.	
4 (b)		12.	
5 (a)			
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड - क/ SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. (a) अभिरुचि क्या है? क्या आप मानते हैं कि यह रुचि, कौशल और बुद्धिमत्ता से भिन्न है?
(150 शब्द) 10

What is aptitude? Do you think that it is different from interest, skill and intelligence?
(150 Words) 10

किसी व्यक्ति, वस्तु, विचार या भावनात्मक पक्ष के प्रति सकारात्मक या नकारात्मक भाव को अभिवृत्ति कहते हैं। यह अभिवृत्ति भिन्न होती है।
ex- जैसे वर्तमान में पाश्चिमी संस्कृति के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति तथा ~~रूढ़ीवृत्ती~~ रूढ़ीवादी संस्कृति के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति है।

रुचि से भिन्न – अभिरुचि जन्मजात होती है तथा क्षेत्र विशेष से रुचि किसी क्षेत्र विशेष से सम्बंधित होती है सम्बंधित होती है जबकि अभिरुचि एवं व्यापक अवधारणा है। रुचि प्रायः जन्मजात हो सकती है तथा अभिवृत्ति से प्रेरित हो सकती है।
ex- सिविल सेवा के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति के कारण सिविल सेवक बनने की रुचि जागना।

कौशल – यह विषय विशिष्ट होता है तथा यह व्यवहारात्मक पक्ष पर आधारित

Copyright – Drishti The Vision Foundation

बल देती है जबकि अभिवृत्ति में भावनात्मक पक्ष की केन्द्रीय भूमिका होती है

Ex- किसी को गाना का कौशल होता है।

बुद्धिमत्ता से भिन्नता - यह हमारी बौद्धिक क्षमताओं की माप होती है जो हमारे बुद्धिलब्धि का मापन करती है इससे व्यक्ति निर्णय, समस्या समाधान का बेहतर क्रियान्वयन करता है यह प्राय: वस्तुनिष्ठ होती है जबकि अभिरुचि आत्मनिष्ठ होती है

अभिरुचि किसी पक्ष के प्रति भाव को दिखाती है अर्थात् रुचि, कौशल एवं बुद्धिमत्ता अभिरुचि से प्रेरित हो सकती है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(b) "आपकी अभिवृत्ति आपका कद निर्धारित करेगी, आपकी अभिरुचि नहीं"। आप इस उद्धरण से क्या समझते हैं? उदाहरण सहित अपने विचार स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

"It is an attitude, not aptitude, which determines one's altitude". What do you understand by the quotation? Explain your stand with illustrations. (150 Words) 10

अभिवृत्ति प्राय: किसी विषय के पक्ष में सकारात्मक या नकारात्मक भाव को उपलब्ध कराती है।

जबकि अभिरुचि किसी क्षेत्र विशेष के कौशल से संबंधित होती है जो प्राय: अलग होती है

Ex→ किसी व्यक्ति को क्रिकेट के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति हो सकती है किन्तु जरूरी नहीं है कि उसमें क्रिकेट खेलने की अभिरुचि हो।

(*) अभिवृत्ति कभी कभी अभिरुचि को बढ़ावा दे सकती है।

Ex- लोक सेवक के कार्यों से प्रेरित होकर, लोक सेवक वाले कार्यों के प्रति अभिरुचि का जागना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(4) हर संदर्भ में यह ठीक नहीं है

सकता अभिवृत्ति - अभिरुचि दो

भिन्न प्रकार की लिहाज है

ex→ गाना गाने के प्रति अभिवृत्ति सकारात्मक है किन्तु आवाज अच्छी नहीं है।

अत: यह कह सकते हैं कि अभिवृत्ति कभी-2 अभिरुचि के निर्माण हेतु प्रेरित कर सकती हैं किन्तु हर बार यह सम्भव नहीं है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

2. (a) "आचार संहिता" एवं "नीति संहिता" के बीच क्या अंतर है? प्रत्येक के महत्त्व और प्रासंगिकता को स्पष्ट करने के लिये उदाहरण प्रदान कीजिये। (150 शब्द) 10

What is the distinction between a "code of conduct" and a "code of ethics"? Provide examples to illustrate the importance and relevance of each. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आचार संहिता प्राय: नियमों का दस्तावेज होता है जो किसी कार्यालय या संगठन के कर्मचारियों को कार्य करने के बारे में सलाह देता है।

नीति संहिता व्यक्ति, कर्मचारी प्रशासक को प्राय: नैतिक मूल्यों के अनुरूप कार्य करने हेतु प्रेरित करता है।

आचार संहिता	नीति संहिता
स्थायी होती है।	अस्थायी होती है
वस्तुनिष्ठ प्रकार की होती है	आत्मनिष्ठता के गुण पाये जाते हैं
कार्य के प्रति प्रतिबद्ध करती है	नैतिकता के प्रति उत्तरदायित्व बढ़ाती है
निर्देश की भाँति होती है।	सिफारिश की भाँति होती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

आचरण संहिता महत्व एवं प्रासंगिकता

→ व्यक्ति को कार्य के प्रति जवाबदेह बनाती है।
→ बेहतर कार्य संस्कृति का निर्माण करती है।
→ आचरण को नियमानुसार बनाती है।
→ इससे उत्तरदायित्व की भावना आती है।

नीति संहिता महत्व एवं प्रासंगिकता

→ व्यक्ति को नैतिक एवं अनैतिक में अन्तर करना सिखाती है।
→ नैतिक आचरण करने हेतु प्रेरित करती है
→ सामाजिक हित को बढ़ावा देती है।

आचरण संहिता एवं नीति संहिता दोनों व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(b) अनामिकता और निष्पक्षता भारतीय लोक सेवा की मूलभूत विशेषताएँ हैं। विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Anonymity and impartiality are the fundamental characteristics of the Indian Civil Service. Discuss. (150 Words) 10

भारतीय लोकसेवा प्रायः लोक कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु जवाबदेह होती है। अतः उनमें सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, उत्तरदायित्व, निष्पक्षता, अनामिकता जैसे गुण अपरिहार्य है।

अनामिकता - अनामिकता से तात्पर्य गुमनाम प्रक्रिया से है। लोक सेवक कार्य करते समय प्रायः गुमनाम रूप से स्वयं कार्य करता है क्योंकि उसके द्वारा किये गये कार्य हेतु मंत्री उत्तरदायी होता है तथा लोक सेवक को गोपनीयता जैसे मुद्दों को छुपाना पड़ता है। जिस कारण उनमें अनामिकता गुण होना चाहिये।

निष्पक्षता - निष्पक्षता से तात्पर्य किसी

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

किसी भी पक्ष की झुकाव न होते हुए निष्पक्ष कार्य करना है और पक्षपात, वस्तुनिष्ठता जैसे मूल्य इसी से निकलते हैं लोक सेवक को कार्य करते समय निष्पक्ष एवं पूर्वाग्रह रहित होकर कार्य करना चाहिये।

Ex- लोककल्याण योजनाओं को किसी व्यक्ति ~~व्यक्ति~~ विशेष के हित में न लागू करके सामूहिकता को बढ़ावा देना।

संवैधानिक उद्देश्य की प्राप्ति की लिए लोक सेवाओं में अनामिकता, निष्पक्षता, सत्यनिष्ठा, ईमानदारी जैसे गुण होने चाहिये।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What does each of the following quotations mean to you?

(a) "आप अकसर अपनी अभिवृत्ति को परिवर्तित करके अपनी परिस्थितियों को बदल सकते हैं।" – एलेनोर रूजवैल्ट (150 शब्द) 10

"You can often change your circumstances by changing your attitude." — Eleanor Roosevelt (150 Words) 10

किसी विषय विशेष के प्रति सकारात्मक या नकारात्मक भाव को अभिरुचि कहते हैं। उपर्युक्त कथन में कहाँ गया है कि अभिवृत्ति में परिवर्तन करके परिस्थिति को बदल सकते हैं निम्न उदाहरणों से समझते हैं।

(*) कोई व्यक्ति ईमानदारी के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति रखता है किन्तु उसकी आर्थिक स्थिति खराब है जिसमें वह ईमानदारी के अभिवृत्ति बदलके, अपनी आर्थिक परिस्थिति को बदल सकता है।

(*) साम्प्रदायिकता के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति वाला व्यक्ति दूसरे धर्मों से विद्वेष

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

रखता है जैसे में यदि उनकी उसकी अभिवृत्ति में परिवर्तन कर धर्मनिरपेक्ष बना दिया जाये तो वह सभी धर्मों का आदर करेगा।

(*) USA में पहले अश्वेतों के प्रति घृणा भाव रहता है अर्थात नकारात्मक अभिवृत्ति रहती है किन्तु अब उनके साथ पढ़ने से उनकी अभिवृत्ति में परिवर्तन हुआ है अर्थात घृणा कम हुई।

इस प्रकार यह कहा जाता सकता है अभिवृत्ति परिवर्तन से परिस्थिति तथा परिस्थिति परिवर्तन से अभिवृत्ति में भी बदलाव किया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) "ज्ञान के बिना सत्यनिष्ठा कमज़ोर और व्यर्थ है परंतु सत्यनिष्ठा के बिना ज्ञान खतरनाक एवं भयानक है" - सैमुअल जॉनसन (150 शब्द) 10

"Integrity without knowledge is weak and useless, and knowledge without integrity is dangerous and dreadful." Samuel Johnson. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अरस्तू ने भी ज्ञान को सद्गुण माना है तथा अन्य नैतिक सिद्धांतों सत्यनिष्ठा, न्याय, साहस जैसे गुणों को इसी से उत्पन्न माना है।

सत्यनिष्ठा को किसी सैद्धान्तिक विचार एवं व्यवहार में संगति के रूप में जाना है ज्ञान एवं सत्यनिष्ठा प्रायः एक-दूसरे के पूरक होते हैं।

ज्ञान के बिना सत्यनिष्ठा

- ज्ञान के अभाव में सत्यनिष्ठा का लक्ष्य पूरा नहीं हो पायेगा
- बिना ज्ञान के सत्यनिष्ठा एवं सैद्धान्तिक स्थितियों की अनुपस्थिति रहती है।
- ज्ञान के द्वारा ही व्यक्ति नैतिक, अनैतिक में भेद कर सत्यनिष्ठा के अनुरूप ढाल सकता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सत्यनिष्ठा के बिना ज्ञान

- सत्यनिष्ठा के अभाव में ज्ञान का कोई महत्व नहीं है।

→ ऐसे ज्ञान के अनैतिक होने की सम्भावनाएं अधिक रहती है।

→ ऐसा ज्ञान समाज के हित में योगदान नहीं कर सकता है।

अतः सत्यनिष्ठा एवं ज्ञान एक-दूसरे से अन्तर संबंधित हैं। ज्ञान के बिना सत्यनिष्ठा, एवं सत्यनिष्ठा के बिना ज्ञान का कोई विशेष महत्व नहीं है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) "मुझे केवल भावना की परवाह है - जब वह सही होगी, तो सब कुछ अपने आप सही हो जाएगा"। स्वामी विवेकानंद (150 शब्द) 10

"I care only for the spirit – when that is right, everything will be righted by itself." Swami Vivekanand. (150 Words) 10

स्वामी विवेकानंद एक सामाजिक कार्यकर्ता एवं दार्शनिक थे इन्होंने मानव मात्र की सेवा को बढ़ावा दिया तथा आध्यात्मिक मूल्यों की वकालत की।

उपर्युक्त कथन प्रायः अन्तरात्मा की महत्ता को प्रदर्शित कर रहा है जो अंततः प्रज्ञावाद के निकट है।

अंतरात्मा एक आन्तरिक चेतना होती है जो किसी कार्य के नैतिक या अनैतिक होने की ओर संकेत करती है। दो पक्ष होते हैं।

(*) सकारात्मक पक्ष → नैतिक, अनैतिक होने का आभास कराती है।

(*) आदेशात्मक पक्ष → यह हमें नैतिक कार्य करने हेतु प्रेरित करती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

मन की भावना से सब कुछ सही हो जायेगा।

- → भावना सोच शुद्ध एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार की होती है।
- → नैतिक गुणों को बढ़ावा देती है।
- → सिद्धांतों में विचलन होने का खतरा कम रहता है।
- → भावना के अनुसार किया गया कार्य सोच समाज हित में होता है।

विवेकानन्द जी का कथन अतः प्रज्ञावाद दर्शन का समर्थन करते हुए मन की भावना (अंतरात्मा) के महत्व को बढ़ावा देता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

4. (a) कार्यस्थल में भावनात्मक बुद्धिमत्ता पारस्परिक संबंधों को कैसे प्रभावित करती है? समूह गत्यात्मकता, सहकार्यता और संघर्ष समाधान पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

How does emotional intelligence influence interpersonal relationships in the workplace? Discuss the impact of emotional intelligence on team dynamics, collaboration, and conflict resolution. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता अपने तथा दूसरे व्यक्ति की भावनाओं को समझने, विश्लेषण करने की क्षमता होती है जिसका प्रयोग कर हम खुद को सञ्चालित करते हैं।

ex → हँसते हुए दोस्त को देखकर भी यह समझ जाना कि अन्दर से वह दुखी है।

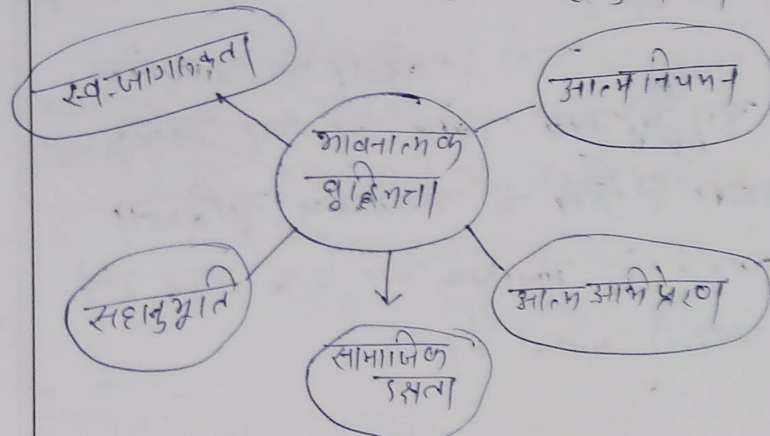

कार्यस्थल संबंधों को प्रभावित करती है

- → कर्मचारियों की समस्याओं को समझने की

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

क्षमता देती है।

→ ऐसा व्यक्ति स्वयं एवं अन्य कर्मचारी को प्रेरित करने की क्षमता रखता है।

→ स्वच्छ कार्य संस्कृति का निर्माण होता है।

→ सहयोगात्मक संबंधों का निर्माण

→ समूह में किसी प्रकार के संघर्ष का बेहतर समाधान उपलब्ध कराती है।

→ इससे समूह में गत्यात्मकता रहती है।

वर्तमान के आधुनिक युग में जब तनाव का भार अधिक रहता है ऐसे में भावनात्मक बुद्धिमत्ता व्यक्ति को मानसिक स्तर पर सुदृढ़ एवं साहसी बनाती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(b) अनैतिक व्यवहार को रोकने और हितधारकों के हितों की रक्षा करने में निगमित शासन (कॉर्पोरेट गवर्नेंस) महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस संदर्भ में भारत में निगमित शासन के साथ नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Corporate governance plays an important role in preventing unethical behaviour and protecting the interests of stakeholders. In this context, discuss the ethical issues with corporate governance in India. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कॉर्पोरेट शासन किसी कंपनी के कर्मचारी, संगठन के मालिक, ग्राहक के बीच बेहतर संबंध निर्माण को बढ़ावा देता है तथा बेहतर (स्वच्छ) कार्य संस्कृति का निर्माण करता है।

कॉर्पोरेट शासन →
- उत्तरदायित्व भावना
- शेयरधारकों हित को बढ़ावा
- ग्राहकों का सम्मान
- कर्मचारी से बेहतर समन्वय
- समाज सेवा में तत्परता
- स्वच्छ कार्य संस्कृति निर्माण

भारत में इससे संबंधित नैतिक मुद्दे

→ संगठनों का उदासीन रवैया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

→ जनता में जागरूकता का अभाव

→ कॉर्पोरेटों की निम्न सहभागिता

→ घराना पूंजीवाद के कारण नकारात्मक प्रभाव

→ पारदर्शिता अभाव (~~किमा~~)

→ कर्मचारियों का शोषण

→ बेहतर शिकायत निवारण प्रणाली अभाव

कॉर्पोरेट शासन, समाज, सरकार एवं कर्मचारियों के बेहतर विकास एवं स्वस्थ कार्य संस्कृति में योगदान करता है। उपर्युक्त चुनौतियों का निर्धारण कर इसके बेहतर क्रियान्वयन की आवश्यकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. (a) नैतिक दुविधा क्या है? सार्वजनिक संस्थानों में विभिन्न नैतिक चिंताओं और दुविधाओं पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

What is an ethical dilemma? Discuss various ethical concerns and dilemmas in public institutions. (150 Words) 10

नैतिक दुविधा के प्रायः व्यक्ति के प्रायः दो विकल्प होते हैं तथा किसी एक को चुनकर पूर्ण आत्मसंतुष्टि न मिले, ऐसी स्थिति को ~~कै~~ बोलते है।

ex → सिविल सेवक को 1 परियोजना को स्वीकृति देनी है तथा ~~तथा~~ उसके पास दो विकल्प है

1 → गांव में सड़क निर्माण

2 - गांव में पानी सुविधा बेहतर करना

नैतिक दुविधा →
- सार्वजनिक हित Vs निजी हित
- समाजहित Vs नैतिक मूल्य
- धार्मिक मूल्य Vs नैतिक मूल्य
- नैतिक Vs नैतिक

विभिन्न नैतिक चिंता एवं दुविधा → मालिकत्व पर

→ कर्मचारियों को ओवरटाइम की सुविधा दे कि नही।

→ चयन में योग्यता को आधार बनाये या

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

सामाजिक न्याय (योग्यतावादी Vs वंचित वर्गवादी)

→ कर्मचारी हित या समाज को महत्व दो

→ सभी करों को ईमानदारीपूर्वक चुकाना

→ उत्पादों के बारे सभी जानकारी ग्राहक को दू कि नहीं

कर्मचारी के स्तर पर

→ नीजि हित को महत्व दूं या कम्पनी हित को

→ व्यक्तिगत लाभ के लिए दूसरे कम्पनी के प्रस्ताव को स्वीकार या नहीं

→ कम्पनी उत्पादों की जानकारी समाज को दूं या नहीं (सुरक्षा कम्पनी है)

सार्वजनिक जीवन में विभिन्न नैतिक दुविधाएं होती है अतः प्राथमिकता निर्धारित कर एवं सामाजिक हित को सर्वोपरि रखकर इसके निदान किया जा सकता है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(b) निम्नलिखित पर 30-30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये: (150 शब्द) 10
Write short notes on the following in 30 words each: (150 Words) 10

(i) नैतिक प्रशासन / Ethical Governance
(ii) वस्तुनिष्ठता और निष्ठा / Objectivity and dedication
(iii) निजी क्षेत्र की नैतिक विकृतियाँ / Ethical perversions of private sector
(iv) सहानुभूति और करुणा / Empathy and compassion
(v) सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 / RTI Act, 2005

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नैतिक प्रशासन - प्रशासन की ऐसी व्यवस्था जिसमें नैतिक मूल्यों ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, वस्तुनिष्ठता के आधार पर संचालन होता है।

वस्तुनिष्ठता और निष्ठा - वस्तुनिष्ठता में न्याय करते समय वस्तुनिष्ठ कारणों एवं तथ्यों को आधार बना, निष्ठा में किसी के प्रति लगाव रखना।

नी **निजी क्षेत्र की नैतिक विकृतियां** - निजी क्षेत्र में प्रायः नैतिक विकृतियां होती हैं - यौन शोषण,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कर्मचारी हितों का ध्यान न रखना, करचोरी याराना पूंजीवाद आदि।

सहानुभूति और करुणा - सहानुभूति दूसरों की मनः स्थिति को समझने की क्षमता को कहते है। करुणा वंचित वर्गों के लिए उत्पन्न भाव होता है।

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 - समाज को जागृत बनाने एवं सरकारी संस्थाओं में पारदर्शिता को सुनिश्चित करने हेतु बेहतर अधिनियम है। जो भ्रष्टाचार पर भी लगाम लगाता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. (a) शासन व्यवस्था में ईमानदारी से क्या आशय है? शासन व्यवस्था में ईमानदारी का उद्देश्य और महत्त्व क्या है? क्या शासन व्यवस्था में ईमानदारी सुनिश्चित करने के लिये कोई उपाय हैं? (150 शब्द) 10

What is probity in governance? What is the purpose and importance of probity in governance? Are there any measures to ensure probity in governance? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शासन में पूरी ईमानदारी के साथ नीतियों का क्रियान्वयन करना ही शासन में ईमानदारी कहलाती है।

कदम →
- सूचना का अधिकार
- कार्पोरेट गवर्नेंस
- e- गवर्नेंस
- बेहतर शिकायत निवारण प्रणाली

उद्देश्य →
- वंचितों का कल्याण
- कल्याणकारी राज्य की स्थापना
- वितरण मूलक न्याय
- जनता को बेहतर शासन

महत्व
- → इससे भ्रष्टाचार में कमी आती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ सामाजिक उत्थान होता है
→ समानतामूलक समाज का निर्माण
→ संवैधानिक मूल्यों की स्थापना होती है।
→ जनता में विश्वास में बढ़ोत्तरी
→ देश में आर्थिक एवं सामाजिक विकास

ईमानदारी सुनिश्चित करने के उपाय

→ सूचना अधिकार अधिनियम का बेहतर क्रियान्वयन
→ e-गवर्नेंस को बढ़ावा
→ जनता को जागरूक करना
→ सुविकसित शिकायत प्रणाली
→ स्वतंत्र मीडिया को बढ़ावा देना

शासन व्यवस्था में ईमानदारी देश के सामाजिक, राजनीतिक आर्थिक विकास के लिए जरूरी है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(b) लोक सेवकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का क्या महत्त्व है? तार्किक समर्थन के साथ अपने विचार प्रस्तुत कीजिये। (150 शब्द) 10

What is the significance of Emotional Intelligence in Civil Servants? Share your viewpoint and provide supporting arguments. (150 Words) 10

भावनात्मक बुद्धिमत्ता दूसरों के एवं भावनाओं को समझने की क्षमता है जिसका प्रयोग निर्णय निर्माण एवं अभिव्यक्ति में किया जाता है।

लोक सेवा में महत्व

नेतृत्व : भा० बुद्धि० से युक्त व्यक्ति बेहतर नेतृत्व कर सकता है

प्रोत्साहन - व्यक्ति स्वयं एवं दूसरों को प्रेरित कर सकती है लोकसेवक में यह होना अपरिहार्य है।

भावनाओं समझना - वंचित एवं कमजोर वर्गों की भावनाओं को समझने योग्य बनाती है।

हिंसा बचाव - हिंसा की स्थिति में मामले का निपटान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ मूल्यांकन करना तथा वास्तविक समस्या एवं बनावटी समस्या में अन्तर करना

नीति क्रियान्वयन - लोक सेवक नीति क्रियान्वयन को बेहतर रूप से लागू करने योग्य बनता है।

विश्वसनीयता - जनता में लोक सेवक के प्रति विश्वास बढ़ता है।

टीम वर्क भावना - कार्यालय स्तर पर कर्मचारियों के साथ बेहतर व्यवहार करके स्वस्थ कार्य संस्कृति एवं टीम वर्क को बढ़ावा देना।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से युक्त लोक सेवक विभिन्न समस्याओं का समाधान आसानी से कर सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड - ख / SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

7. आपको उस राज्य के एक जिले में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है जहाँ हाल ही में एक अवैध खनन माफिया द्वारा एक डी.एस.पी. की हत्या कर दी गई थी। आपको सूचना मिली है कि अरावली की पहाड़ियों में कुछ लोगों द्वारा अवैध खनन किया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि उस क्षेत्र में अवैध खनन के अधिकतर मामले कभी भी न्यायालय या पुलिस तक नहीं पहुँचते हैं क्योंकि माफिया के रूप में कोई और नहीं बल्कि स्थानीय विधायक शामिल है।

एक तथ्य यह है कि अधिकांश खनिज भंडार जिले के एक बड़े भाग में स्थित अरावली पर्वतमाला के आसपास केंद्रित हैं। खनन गतिविधि को तत्काल रोकने से वहाँ कार्यरत मजदूरों के जीवन पर भी असर पड़ेगा। जबकि खनन का पर्यावरणीय प्रभाव भी एक चिंता का विषय है। एक युवा और ऊर्जावान नौकरशाह होने के नाते, आप सकारात्मक बदलाव लाने के लिये उत्साहित हैं, अपितु फिर भी आपको अपने अधीनस्थों द्वारा चेतावनी दी जाती है, जो विभिन्न चुनौतियों से गुजरे हैं। (250 शब्द) 20

(a) उपरोक्त स्थिति में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिये

(b) आपके समक्ष कौन सी नैतिक दुविधाएँ हैं?

(c) इस स्थिति में आप क्या कदम उठाएंगे?

You have recently been posted as the Superintendent of Police of a district in a state where a DSP was killed recently by an illegal mining mafia. You have received information that illegal mining was being done by some people in the area in the Aravalli hills. The surprising thing is that most of the cases of illegal mining in this area never reach the court or the police as the politician who was involved in the mafia was no one else but the local MLA.

It has been found that most mineral deposits are concentrated all along the Aravali range that runs through large parts of the district. An immediate shutdown of the mining activity will also impact the lives of the labourers employed there. The environmental impact of mining is also a major concern. Being a young and energetic bureaucrat, you are passionate about bringing positive changes but at the same time being cautioned by your subordinates who have witnessed various challenges from the threat. (250 Words) 20

(a) Identify the stakeholders involved in the above situation

(b) What are the ethical dilemmas being faced by you?

(c) What step will you take in this situation?

उपर्युक्त मामला राजनेता के स्वयं अवैध गतिविधियों में लिप्तता एवं कानून-

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

व्यवस्था की बेकार हालात का है। तथा पर्यावरणीय समस्या इसका एक पक्ष है जिसको नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

ⓐ प्रमुख हितधारक
→ पुलिस अधिकारी (मैं)
→ विधायक
→ कार्यरत मजदूर
→ मृतक D.S.P के परिवार वाले
→ समाज
→ पर्यावरण

ⓑ नैतिक दुविधाएं

* राजनेता विधायक का स्वयं गतिविधी (अवैध) में लिप्त होना
* तुरन्त रोक लगाने से मजदूरों की जीविका की समस्या

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

* अवैध गतिविधि के कारण पर्यावरणीय समस्या
* मृतक D.S.P को न्याय दिलाना
* राजनैतिक दबाव Vs समाजहित

ⓒ मैं क्या कदम उठाऊंगा :–

① सर्वप्रथम मैं कोशिश करूंगा कि स्वयं विधायक से बात कर मामले की संवेदनशीलता से अवगत कराऊं तथा उन्हे अवैध गतिविधी में न लगने की सलाह दूं।

② मैं अपने वरिष्ठ अधिकारियों को इस बारे में सूचित करूंगा क्योंकि उन्हे ऐसे मामलों का अनुभव होगा तथा उनके सुझाव को संज्ञान में लाऊं।

③ मैं कोशिश करूंगा कि विधायक

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

की पार्टी के कोई वरिष्ठ नेता, मंत्री या मुख्यमंत्री को इससे अवगत कराऊं।

(ग) स्थानीय विरोधी राजनेता, मीडिया, तथा पर्यावरणीय (NGO) को इसमें सम्मिलित कर सामूहिक कार्यवाही करूं।

~~कानू~~

(घ) वन लाभ प्रकल्प में मैं पुलिस का सहयोग जारी रखूंगा ताकि मेरी सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके।

अतः उपर्युक्त

कदमों का सम्मिलित रूप से प्रयोग कर मैं पहले चेतना दूंगा, मंत्री को मामले से अवगत कराऊंगा। तभी भी कुछ नहीं होता है तो मैं स्थानीयता विरोधी राजनेता, NGO, मीडिया के साथ मिलकर सामूहिक कार्यवाही करूंगा तथा पुलिस कार्यवाही

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

रूप में विधायक को गिरफ्तार कराऊंगा। उपर्युक्त प्रकरण में खानों में काम करने वाले मजदूरों के लिए वैकल्पिक रोजगार की व्यवस्था करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

8. पुलिस अधीक्षक के रूप में आप एक ऐसे जिले में नियुक्त हुए हैं जो गंभीर नागरिक अशांति और कानून-व्यवस्था की समस्याओं से ग्रस्त है। राजनीतिक नेताओं की कई अपीलों के बावजूद स्थिति में सुधार के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। दंगाई हथियारों और गोला-बारूद तक पहुँच हासिल कर पास के एक सैन्य शिविर को लूटने में कामयाब रहे। इससे विभिन्न समुदायों के बीच संघर्ष बढ़ गया है, जिसके परिणामस्वरूप लगातार गोलीबारी हो रही है। इस अराजकता के बीच, आपको एक शरणार्थी शिविर के एक अधिकारी से आधी रात को एक व्यथित करने वाला फोन आता है। उन्होंने आपको बताया कि शिविर में एक 7 वर्षीय बच्चे को पीठ में गोली मार दी गई है, जिससे पता चलता है कि दंगाइयों ने अन्य समुदायों के लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के लिये पुलिस को निशाना बनाया था। अधिकारी घायल बच्चे को निकटतम अस्पताल तक ले जाने में आपकी सहायता का अनुरोध करता है। आप जल्दी से एक एम्बुलेंस की व्यवस्था करते हैं और शिविर की ओर चल पड़ते हैं।

हालाँकि, जब आप अपने मार्ग में जा रहे होते हैं तो आपको अपने एक अधीनस्थ से यह संदेश प्राप्त होता है, जो आपको फर्जी खबरों के प्रसार के प्रति सचेत करता है। इस गलत सूचना के अनुसार, यह झूठा दावा किया जा रहा है कि राज्य के अधिकारी एक विशेष समुदाय को अधिमान्य उपचार प्रदान करने के लिये एम्बुलेंस का दुरुपयोग कर रहे हैं। इस स्थिति में आपके पास विभिन्न दृष्टिकोण क्या हैं? आपकी कार्यवाही का तरीका क्या होगा? आप यह कैसे सुनिश्चित करेंगे कि कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनी रहे? (250 शब्द) 20

You, as the Superintendent of Police, find yourself in a district plagued by severe civil unrest and law-and-order issues. Despite numerous appeals from political leaders, the situation shows no signs of improvement. The rioters have managed to loot a nearby army camp, gaining access to weapons and ammunition. This has escalated the conflict between different communities, resulting in constant gunfire exchanges. In the midst of this chaos, you receive a distressing midnight call from an officer at a refugee camp. He informs you that a 7-year-old child has been shot in the back at the camp, revealing that the rioters targeted the police for providing protection to people from other communities. The officer at the camp requests your assistance in escorting the injured child to the nearest hospital. You quickly arrange for an ambulance and make your way to the camp.

However, while enroute, you receive a message from one of your subordinates, alerting you of the spread of fake news. According to this misinformation, it is being falsely claimed that state officials are misusing the ambulance to offer preferential treatment to a particular community. In this situation what are the different approaches available to you? What will be your course of action? How will you ensure that law and order situation is maintained? (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपर्युक्त केस खड़ी कानून-व्यवस्था की खस्ता हालत, अराजकता एवं हिंसा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

की स्थिति के बारे में है जहां साम्प्रदायिक दंगाई भी जोर पकड़ रहे।

(a) नैतिक दुविधा
- → कानून व्यवस्था
- → मासूम को परेशानी उठानी पड़ रही है।
- → भ्रामक सूचनाओं का प्रसार
- → स्थानीय जनता की सुरक्षा का मुद्दा।

(b) मेरा दृष्टिकोण

- तुरंत कर्फ्यू लगाने का आदेश दूंगा ताकि अराजक तत्वों को पकड़ा जा सके तथा उनपे लगाम कसा जा सके।
- पुलिस प्रशासन को कड़ाई बरतने का निर्देश दूंगा ताकि दंगाइयों के मन में भय उत्पन्न हो।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

* बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराकर पीड़ितों को बेहतर सुविधा दूंगा।
* स्थानीय नेता, NGO के साथ मिलकर धर्मनिरपेक्ष वातावरण बनाने की कोशिश करूँगा। विभिन्न धर्मों के अनुभवी व्यक्तियों को सामने लाकर मदद करने के लिए प्रोत्साहित करूँगा।
* जो कोन आया था सुना हो सच्चा मैं जाकर देखूँगा जरूर की क्या मामला है।

ⓑ कार्यवाही का तरीका

•) मेरी कार्यवाही का तरीका मेरे दृष्टिकोण में सुझाए गये उपायों के अनुरूप होगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

ⓒ कानून व्यवस्था को सुनिश्चित करना

•) जल्द से कर्फ्यू लगाने का आदेश दूंगा ताकि हालात पर काबू पाया जा सके।

•) अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कराऊँगा तथा हिंसात्मक तत्वों को तुरंत गिरफ्त में लेने का आदेश दूंगा।

•) धर्मनिरपेक्ष माहौल बनाये रखने हेतु लोगों से अपील करूँगा।

•) जमीनी स्तर पर लोगों की मदद करके उनका विश्वास जीतने का प्रयास करूँगा ताकि वे कार्यवाही में सहयोग करें।

इस प्रकार विभिन्न दृष्टिकोणों को अपनाते हुए अर्थात सहयोगात्मक, धर्मनिरपेक्ष, कानूनी

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कार्यवाई करी का प्रयोग करके सामाजिक सौहार्द को बनाने की कोशिश करूंगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. रोहन 12वीं कक्षा का नवोत्तीर्ण छात्र है। अपनी अंतिम बोर्ड परीक्षा के दौरान उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उसके खराब स्वास्थ्य तथा पारिवारिक समस्याओं ने उसकी तैयारी में बाधा उत्पन्न की। वह विद्यालय की कई महत्त्वपूर्ण कक्षाओं में अनुपस्थित रहा। उसके सबसे अच्छे दोस्त रमन ने उसे बोर्ड परीक्षा के दौरान अमूल्य सहायता प्रदान की रोहन को अच्छे अंक प्राप्त करने में मदद करने के लिये रमन ने अपने निजी नोट्स भी साझा किये। रोहन के माता-पिता उसके दोस्त के समर्पण तथा सहायता के लिये आभारी थे, उन्होंने रोहन को सफल होने में सहायता करने के लिये किये गए प्रयास को मान्यता दी। हालाँकि बोर्ड परीक्षा में अच्छे ग्रेड प्राप्त करने के बाद भी CUET परीक्षा एक बड़ी बाधा थी। CUET में प्राप्त अंक यह निर्धारित करेंगे कि रोहन किस कॉलेज व पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकता है। रोहन BCA की पढ़ाई करना चाहता था तथा जानता था कि एक प्रतिष्ठित कॉलेज में प्रवेश के लिये उसे विशिष्ट अंकों की आवश्यकता है। हाल ही में, रोहन को पता चला कि रमन ने एक अच्छे कॉलेज में प्रवेश की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिये EWS (आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग) प्रमाणपत्र प्राप्त किया है। सच तो यह था कि उसका सबसे अच्छा दोस्त वास्तव में EWS श्रेणी के लिये योग्य नहीं था। इस सच से रोहन काफी परेशान हो गया। जब उसने रमन से स्थिति के बारे में पूछा, तो उसके दोस्त ने कड़ी प्रतिस्पर्द्धा व लाभ की आवश्यकता पर ज़ोर देकर उसके कार्यों को उचित ठहराया। रमन ने रोहन को भी EWS प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिये मनाने की कोशिश की।

(250 शब्द) 20

(a) उपरोक्त स्थिति में शामिल नैतिक संशय/दुविधा पर चर्चा कीजिये?

(b) उपरोक्त सभी विकल्पों का मूल्यांकन कीजिये?

(c) आप कौन-से विकल्प का चयन करेंगे और क्यों?

Rohan is a newly passed out class 12th student. During his final board examination, he faced several challenges. His poor health and family issues hampered his preparation. He missed several of the important classes in school. His best friend, Raman, provided him with invaluable support during the Board examination. Raman even shared his personal notes to help Rohan achieve a good score. Rohan's parents were grateful for his friend's dedication and assistance, recognizing the effort he put in to help Rohan succeed. However, there was one major obstacle even after getting good grades in the Board examination—the CUET examination. The CUET score would determine the college and course Rohan could pursue. Rohan aspired to study BCA and knew he needed exceptional marks to secure admission into a reputable college. Recently, Rohan discovered that Raman had obtained an EWS (Economically Weaker Section) certificate to improve his chances of getting into a good college. The truth was that his best friend did not actually qualify for the EWS category. This revelation left Rohan deeply upset. When he confronted Raman about the situation, his friend justified his actions by emphasizing the intense competition and the need for an advantage. Raman tried to convince Rohan to also obtain an EWS certificate.

(250 Words) 20

(a) Discuss the ethical dilemma involved in the above-mentioned situation?

(b) Evaluate all the options available to you?

(c) Which option would you opt for and why?

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यह मामला सरकारी योजनाओं के दुरुपयोग से संबंधित है जिसमें अयोग्य विद्यार्थी भी योजना का लाभ ले रहा है जिस कारण योग्य विद्यार्थियों के साथ अन्याय हो रहा है।

(b) नैतिक दुविधा

* नैतिक कार्य करना या स्पर्धा के युग में हर सम्भव प्रयास करना
* रमन को समझाना कि यह गलत है या कि स्वयं भी EWS बनवा लेना
* नैतिकता का पालन या भविष्य की सम्भावनों पर खतरा मोल लेना

सोहन के पास उपलब्ध विकल्प

विकल्प -1 - स्वयं भी EWS बनवा लेना।

पक्ष → भविष्य संभावनाएं बढ़ेगी, कम स्पर्धा करनी पड़ेगी,

विपक्ष → अनैतिक है, योग्य विद्यार्थी के साथ अन्याय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

विकल्प - 2 - स्वयं न बनवाना तथा रमन को भी अपना EWS पंजीकरण रद्द करने की सलाह देना

पक्ष → नैतिक है, दोस्त को सही रास्ता दिखाना, योग्य व्यक्ति को ही लाभ मिलेगा।

विपक्ष - कॉलेज एडमिशन सम्भावना कम होगी, भविष्य दांव पर लगेगा।

विकल्प - 3 → बिना EWS बनाये कड़ी मेहनत कर सीट हासिल करना।

पक्ष - नैतिकता अनुकूल, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, धैर्य, मेहनत जैसे गुणों का विकास

विपक्ष - फेल होने का खतरा

मैं स्वयं से विकल्प 3 को चुनुंगा तथा अपने दोस्त रमन को भी सुझाव दूंगा कि वह भी

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यही कारण ~~समस्याओं~~ इनके लिए नैतिक दृष्टिकोण एवं रणनीति -

* जिस प्रकार रमन ने बोर्ड परीक्षा में पास करके 12th पास करवाई उसी प्रकार एक बार फिर दोनों मिलकर नैतिक रूप मेहनत करके सफलता पाने की प्रयत्न ~~करेगा~~ करेंगे।

* किसी अन्य व्यक्ति जिसने बिना EWS के परीक्षा पास की हो उससे मिलकर मार्गदर्शन लेंगे तथा उससे प्रोत्साहित महसूस करेंगे।

* किसी करीबी कोचिंग संस्थान को ज्वाइन करके बेहतर तैयारी करेंगे तथा सफल होंगे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

अतः इस प्रकार से प्राप्त हुई सफलता नैतिक भी होगी तथा अन्तरात्मा के अनुकूल भी होगी, तथा भविष्य में होने वाले विरोधाभास से बचा जा सकेगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. भारत के एक पूर्वी राज्य में एक चार लेन का कंक्रीट पुल एक वर्ष में दूसरी बार ढह गया है। पुल की संरचनात्मक विफलता इस बात का उदाहरण देती है कि इंजीनियरिंग प्रथाओं में नैतिकता का उल्लंघन कैसे होता है। रवि एक प्रतिष्ठित संरचनात्मक इंजीनियर हैं और उसे परियोजना की जाँच के लिये नियुक्त किया गया है। योजनाओं और रेखाचित्रों की जाँच करने के बाद, उन्हें पता चला कि डिज़ाइन में एक बड़ी खामी थी। खामी के बारे में रिपोर्ट करने से भविष्य में ऐसी गंभीर स्थिति से बचा जा सकेगा लेकिन इससे निर्माण कंपनी की मान्यता प्रभावित होगी। साथ ही रवि को पता चला कि पुल का कार्य करने वाला ठेकेदार कोई और नहीं बल्कि उस इलाके के विधायक का छोटा भाई है। इस प्रकार, स्थिति की रिपोर्ट करने से उसके जीवन को कोई गंभीर खतरा हो सकता है। इस मामले में शामिल नैतिक मुद्दों का विश्लेषण करें। इस स्थिति में, रवि को आदर्श रूप से क्या करना चाहिये? क्या "त्रुटियाँ या विफलताएँ" सभी मामलों में मानव प्रगति के लिये स्वीकार्य हैं? (250 शब्द) 20

A four-lane concrete bridge in an eastern state in India has collapsed for the second time in just over a year. The structural failure of the bridge provides an example of how violation of ethics occurs in engineering practices. Ravi is a reputable structural engineer and has been appointed to investigate the project. After scrutinizing the plans and drawings, he finds that there was a major flaw in the design. Reporting about the flaw would save such a grave situation in the future but this would affect the recognition of the construction company. Also, Ravi found that the contractor working for the bridge is no one else but the younger brother of the MLA in that area. Thus, reporting the situation may cause some serious threat to his life. Analyse the ethical issues involved in this case. In this situation, what should Ravi ideally do? Are "errors or failures" acceptable price for human progress in all instances? (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यह मामला परियोजनाओं में हो रही धांधली का है जिसमें राजनेता की भी भूमिका है हालांकि परियोजना की कमी के चलते, पुल ढहने से जान-माल को हानि होगी, अतः लोगों की सुरक्षा के लिए यह आवश्यक है कि परियोजनाएं पारदर्शी हो।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

नैतिक मुद्दे

* राजनेता (विधायक) का विरोध करूँ या चुपचाप बैठ जाऊँ।
* सुरक्षा संबंधी चिंता
* नागरिकों की सुरक्षा का मुद्दा।
* सरकारी धन के दुरुपयोग का मुद्दा।
* भ्रष्टाचार एवं अपारदर्शिता

रवि को क्या करना चाहिए

इस मामले में मामला रवि के पास विकल्प की संख्या देखते है तथा उनके उचित एवं अनुचित होने का विश्लेषण करते हैं

विकल्प-1 - कुछ भी न करें।

पक्ष - सुरक्षा सुनिश्चित होगी, विधायक की दुश्मनी से बच जायेगा।

विपक्ष - अनैतिक होगा, भ्रष्टाचार को बढ़ावा होगा, मैं भी भ्रष्टाचार का साझेदार जनता की सुरक्षा प्रभावित हो जायेगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

विकल्प - 2 - रिपोर्ट को आगे भेजूंगा

पक्ष - कार्यवाही होगी, भ्रष्टाचार रुकेगा, लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी

विपक्ष - रवि की जान को खतरा

विकल्प - 3 - स्थानीय राजनेता, NGO सहायता लेकर कार्यवाही

पक्ष → अकेला न होकर सामूहिक कार्यवाही बढ़ावा, विधायक पर दबाव

विपक्ष → थोड़ी बहुत चिंता रवि को जान की

बेहतर निर्णय -

रवि को पहले विधायिका से या किसी नेता या

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

परिवहन एवं रोड मंत्री से मिलकर मामले से अवगत कराना चाहिए।

यदि तब भी बात न बने तो कानूनी कार्यवाही का सहारा लिया जा सकता है। किन्तु इनमें पुलिस मिलिभगत होने की संभावना है।

रवि को विधायक के विरोधी राजनेता, NGO, तथा सिविल सोसायटी को साथ लेकर सामूहिक आन्दोलन रूप में परियोजना की खामियों को उजागर करना चाहिए ताकि जनता की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

~~~~ इस विकल्प से समस्या का बेहतर हो सकता है अतः रवि को इस विकल्प को अपनाना चाहिए। दोषियों को सजा मिलना

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)
~~~~

drishti | दृष्टि The Vision

जारी होता है ताकि आगे कोई और जनता की सुरक्षा से समझौता न करे।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

11. 21 वर्ष की उम्र में ही राधिका अपने असाधारण कुश्ती कौशल के कारण अपने गृह राज्य हरियाणा में काफी प्रसिद्ध हो गई। इसका पूरा श्रेय उसकी प्रतिभा और उसके माता-पिता द्वारा उसके सपनों को पूरा करने के लिये किये गए अनेकों बलिदानों को जाता है। अपनी माँ के कैंसर के इलाज के कारण उत्पन्न हुए वित्तीय संकट का सामना करने के बावजूद उसके पिता के अटूट दृढ़ संकल्प ने उसे एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीतने के लिये सबसे अधिक प्रेरित किया।

ओलंपिक खेलों का समय निकट आते देख राधिका ने दिल्ली में कुश्ती अकादमी में तकनीकी प्रशिक्षण लेने का निर्णय लिया। इस दिशा में उसके क्षेत्र के विधायक द्वारा इस प्रक्रिया में तेजी लाये जाने और अविलंब प्रशिक्षण शुरू कराये जाने की अनुमति से राधिका को बहुत मदद मिली। हालाँकि, अपने छोटे भाई और माँ की तबियत को देखते हुए वह अपने गृह ज़िले को छोड़ने को लेकर काफी चिंतित थी, परंतु उसके पिता ने उसे आश्वस्त किया कि वह नियमित रूप से उससे मिलने आया करेंगे और उसे सुझाव दिया कि वह घर की चिंता को छोड़कर अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करे।

दिल्ली में कुश्ती अकादमी में राधिका ने कुश्ती क्षेत्र के एक प्रसिद्ध कोच/प्रशिक्षक से प्रशिक्षण लेना आरंभ किया। उनके मार्गदर्शन में उसके कौशल में काफी सुधार हुआ। राधिका को उनके अधीन प्रशिक्षण ले रही अन्य प्रतिभाशाली महिला पहलवानों से मिलने का भी अवसर प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, कोच ने राधिका के प्रशिक्षण को बेहतर बनाने के लिये व्यक्तिगत रूप से अपने खर्च से कई उपकरण उपलब्ध कराए।

एक दिन, शाम को प्रशिक्षण खत्म करके लौटते समय राधिका को किसी के रोने की आवाज सुनाई दी। वह उसके पास गई और पाया कि यह एक नई प्रशिक्षु है और इसका नाम श्रुति है तथा वह एक नाबालिग भी है। उत्सुकतावश राधिका ने श्रुति की परेशानी का कारण जानने की बहुत कोशिश की, किंतु उसने कोई भी विवरण देने से इनकार कर दिया। अचानक उनका कोच आया और तेजी से श्रुति को लेकर चला गया। इस स्थिति से उत्पन्न भ्रम और अस्थिरता एवं श्रुति की दर्दनाक चीखें उसके दिमाग में घूमते रहने के कारण राधिका को उस रात नींद नहीं आई।

अगली रात, प्रशिक्षण के बाद लौटते समय, राधिका ने उसी लड़की को कोच के साथ देखा। इस दृश्य से परेशान होकर उसने इस बारे में अकादमी में अपने एक दोस्त से बात की। दोस्त ने उसे सतर्क रहने को कहा और यह भी सलाह दी कि वह इस विषय में और किसी से बात न करे। उसकी दोस्त ने आगे बताया कि कोच गरीब और वंचित पृष्ठभूमि की लड़कियों का यौन शोषण करता था। कई अन्य लड़कियों ने इस जानकारी की पुष्टि की थी।

यह सुनकर राधिका को बहुत हैरानी हुई और उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। कोच का उसके प्रति व्यवहार हमेशा ही सम्मानजनक रहा था और उन्होंने उसकी काफी मदद भी की थी। इसके अतिरिक्त, उनके कुछ राजनीतिक संबंध थे और उनके ज़िले के विधायक से उनकी करीबी दोस्ती थी। लड़कियों ने राधिका को अन्य के साथ हुई इसी प्रकार की कई घटनाओं के बारे में बताया, और यह भी बताया कि किस प्रकार जिन-जिन लकड़ियों ने आवाज उठाने की कोशिश की, उनका करियर नष्ट हो गया। अपनी सफलता के वर्तमान स्तर तक पहुँचने के लिये किये गए बलिदानों के विषय में राधिका भलीभाँति अवगत थी, साथ ही उसे अपनी वित्तीय स्थिति का भी आभास था। हालाँकि, वह एक बात अच्छे से जानती थी कि वह इस अन्याय को अनदेखा नहीं कर सकती।

(250 शब्द) 20

(a) इस मामले में कौन-कौन से हितधारक शामिल हैं?

(b) राधिका के लिये कार्रवाई की दिशा और उनके संभावित निहितार्थों की जाँच कीजिये।

(c) मूल्यांकन कीजिये कि भविष्य में कौन-सी कार्यवाही राधिका के लिये अधिक उपयुक्त होगी और क्यों।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Radhika, at the age of 21, became a sensation in her home district of Haryana due to her exceptional wrestling skills. Her talent propelled her to stardom, and her parents made significant sacrifices to fulfil her dreams. Despite facing financial distress, especially after her mother's cancer diagnosis, her father's unwavering determination pushed her to go to extreme lengths to win a medal at the Asian Championship.

With the Olympics looming, Radhika made the decision to take smart and technical training at the wrestling academy in Delhi. She was overjoyed when the MLA from her region expedited the process, allowing her to commence training immediately. However, concerns about leaving her home district arose since she had a younger brother and an ailing mother. Nonetheless, her father reassured her that he would visit regularly, urging her to concentrate on her games.

At the academy in Delhi, Radhika was assigned a renowned coach who held great prestige in the wrestling circle. Under his guidance, her skills improved significantly. She also had the opportunity to meet other talented female wrestlers who were training under him. They, too, were impressed by the coach's expertise. Additionally, the coach went above and beyond, personally providing equipment for Radhika from his own pocket to enhance her training.

One evening, upon returning from training, Radhika heard someone sobbing. She approached the source of the cries and discovered a new trainee named Shruti, a minor. Curious about the cause of Shruti's distress, Radhika inquired, but she refused to disclose any details. Suddenly, their coach arrived and swiftly took Shruti away. Confused and unsettled by the situation, Radhika found it difficult to sleep that night as Shruti's painful cries lingered in her mind.

The following night, while returning from training, Radhika spotted the same girl in the company of the coach. Troubled by this observation, she confided in a friend at the academy. The friend cautioned her to be cautious and advised against disclosing the information to anyone else. Upon further discussion, the friend revealed that the coach took advantage of girls from marginalized backgrounds in a sexual manner. Many other girls had corroborated this information.

Shocked to the core, Radhika was at a loss for what to do. The coach had always been respectful and helpful towards her. Moreover, he had political connections and was a close friend of the MLA from her district. The girls also shared stories of others who had tried to raise their voices and had their careers destroyed as a result. Radhika was aware of the sacrifices she had made to reach her current level of success, and the financial situation was far from ideal. However, she knew she couldn't let this injustice go unaddressed. (250 Words) 20

(a) Who are the different stakeholders involved in this case?

(b) Examine the courses of action for Radhika and their potential implications.

(c) Evaluate which future course of action would be more appropriate for Radhika and why.

उपर्युक्त मामला खेलों में होने वाले यौन शोषण को दिखाता है तथा महिला खिलाडियों की समस्या एवं उत्पीडन को दिखाता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(a) हितधारक
- → राधिका एवं उसका परिवार
- → विधायक
- → कोच
- → उत्पीडित लडकियाँ
- → सरकार
- → अन्य लडको खिलाडी

राधिका की कार्यवाही की दिशा

कार्यवाही-1 - कोच के खिलाफ पुलिस शिकायत

पक्ष → ~~[illegible]~~, शोषण कम होगा, न्याय मिलेगा लडकी को

विपक्ष → करियर पर असर

कार्यवाही-2 - चुप रहे।

पक्ष → शोषण बढेगा, राधिका भी शिकार हो सकती है।

विपक्ष → ~~करियर [illegible] नहीं रहेगा~~ शोषण

पक्ष → करियर सही रहेगा, दुश्मनी नहीं होगी कोच से

विपक्ष - शोषण बढेगा, राधा भी शोषित हो सकती है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विकल्प-2 – विधायक को सूचित करे जो उसका दोस्त है।

(पक्ष) → शोषण रुक सकता है, दुश्मनी भी नहीं होगी।

(विपक्ष) → विधायिका कोच का पक्ष ले सकता है।

कार्यवाही-4 – सभी लड़की मिलकर शिकायत दर्ज करे तथा शोषितों को न्याय दिलाये।

(पक्ष) → दोषी को सजा मिलेगी, शोषण समाप्त होगा।

(विपक्ष) → करियर पर खतरा आ सकता है।

राधिका के लिए उपयुक्त कार्यवाही

कार्यवाही-4 राधिका के लिए उपयुक्त रहेगी क्योंकि सभी लड़कियाँ साथ रहेंगी तो अकेली राधा के करियर का खतरा समाप्त हो जायेगा, साथ ही सामूहिकता की भावना बढ़ावा मिलेगा जो आने वाली लड़कियों

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के लिए मिसाल बनेगा।

इन सब प्रकरण में राधिका को अपनी तैयारी निरंतर कार्यशील रखनी चाहिए तथा ओलंपिक गेम्स में पदक हासिल कर अपने कदम को सही साबित करना चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. एक जिले में कई बच्चे मध्याह्न भोजन के दौरान दिये गए भोजन को खाने के बाद बीमार हो गए, जिसमें कथित तौर पर एक साँप था। भोजन तैयार करने के लिये ज़िम्मेदार स्टाफ सदस्य ने कहा कि छात्रों को भोजन परोसे जाने के बाद दाल के एक कंटेनर में एक साँप पाया गया। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर बल देते हुए कहा कि यह घटना उनकी लापरवाही के कारण नहीं हुई, बल्कि सरकार द्वारा संचालित विद्यालय प्रशासन की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के उद्देश्य से किसी बाह्य समूह द्वारा जानबूझकर की गई कार्रवाई के परिणामस्वरूप हुई है।

आप खंड विकास अधिकारी हैं और आपको ग्रामीणों से शिकायतें मिली हैं। वहाँ पहुँचने पर आप पाते हैं कि अभिभावकों ने विद्यालय कर्मचारी और शिक्षकों को घेर रखा है। उन्होंने विद्यालय की संपत्ति को भी नुकसान पहुँचाया है। विद्यालय कर्मचारी आपसे अनुरोध करता है कि जो रिपोर्ट आपको देनी है उसमें उसे बदनाम न करें क्योंकि उसकी नौकरी जा सकती है और वह अपने परिवार में एकमात्र कमाने वाला है। वहीं, ग्रामीण आपसे विद्यालय कर्मी को दंडित करने और त्वरित न्याय दिलाने की मांग करते हैं। (250 शब्द) 20

(a) उपरोक्त मामले में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिये।

(b) इस मामले में निहित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिये।

(c) उपरोक्त स्थिति में आप क्या कदम उठाएंगे?

Several children in a district became sick after consuming the food provided to them during a mid-day meal, which reportedly contained a snake. The staff member responsible for preparing the meal stated that a snake was discovered in one of the lentil containers after the food was served to the students. However, he insisted that this incident occurred not due to his negligence, but rather as a result of deliberate actions by an external group aiming to tarnish the reputation of the government-run school administration.

You are the Block Development Officer and have received complaints from the villagers. As you reach there, you find that the guardians gheraoed the school staffer and teachers. They have also vandalized the school property. The school staffer requests you not to defame him in the report that you are supposed to submit as he may lose his job and he is the only earner in his family. On the other hand, the villagers demand you to punish the school staffer and deliver quick justice. (250 Words) 20

(a) Identify the stakeholders involved in the above case

(b) Discuss the ethical issues involved in this case.

(c) What steps would you take in the above situation?

यह मामला मध्याह्न भोजन योजना में रही लापरवाही एवं बाह्य समूहों द्वारा इसको गलत हथियार बनाने के रूप का है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(a) हितधारक
- → स्कूल के बच्चे
- → अभिभावक
- → BDO (मैं)
- → स्कूल कर्मचारी
- → शिक्षक
- → सरकार
- → समाज

(b) निहित नैतिक मुद्दे:

* बच्चों को स्वास्थ्य सुरक्षा का मुद्दा
* बाह्य समूह द्वारा गलत हथकंडे अपनाना
* आक्रामक भीड़ को काबू करना
* स्कूल कर्मचारी एवं शिक्षक की सुरक्षा का मुद्दा
* प्रशासन की प्रतिष्ठा का मुद्दा।
* सरकारी संपत्ति (विद्यालयों) के नुकसान का मुद्दा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(c) उठाये जाने वाले कदम

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

* अभिभावकों को समझाने की कोशिश करूँगा कि इसमें स्कूल कर्मचारी की कमी नहीं है यह किसी बाह्य समूह का हाथ है।

* भीड़ (अभिभावकों) को शांत करूँगा तथा स्कूल कर्मचारी एवं शिक्षकों को अपनी बात रखने का मौका दिलवाऊँगा।

* इससे पहले उन लोगों (भीड़) कहूँगा कि सार्वजनिक सम्पत्ति को क्षति न पहुँचाए वरना कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

* जिस बाह्य कारक ने खाने में सांप छिपाने की हिमाकत की है उसके खिलाफ केस दर्ज कराऊँगा तथा कानूनी कार्यवाही करूँगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

* अभिभावकों को यह आश्वासन दूँगा कि आगे ऐसी किसी की घटना को नहीं होने देंगे।

* साथ ही बीमार बच्चों के लिये स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनका स्वास्थ्य सुनिश्चित करूँगा।

अन्य कदम

→ स्कूल कर्मचारियों को भी ~~सख्त~~ सख्त निर्देश दूँगा कि ~~अगर~~ आगे ऐसा होता है तो आपकी जिम्मेदारी होगी।

→ स्कूल में CCTV कैमरे लगवाने की सलाह दूँगा ताकि कोई ऐसी गलती को तो उसका पता चल सके।

→ खाना बनाने की जगह पूरी तरह से सुरक्षित स्थान होना चाहिए ऐसा सुनिश्चित करूँगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इस प्रकार उपर्युक्त मामले को निपटाया (सुलझाया) जा सकता है। हालांकि बच्चों को प्राथमिक कर्तव्य होना चाहिए क्योंकि ये ही देश का भविष्य है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work
(रफ कार्य के लिये स्थान)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work
(रफ कार्य के लिये स्थान)

Copyright – Drishti The Vision Foundation